

डीडी की चौकसी समिति ने भंडारा, सारांडी, ब्रह्मपुरी तीनों जगह की चौकशी की

DCM पवार देंगे विकास कार्यों को पर्याप्त निधि



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

इस अवसर पर बोलते हुए पवार ने कहा कि सरकारी भवनों का विद्युतीकरण सौर ऊर्जा से किया जाना चाहिए. इस कार्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए. इसके लिए सभी सरकारी कार्यालय के विभागाध्यक्षों को सौर ऊर्जा विद्युतीकरण प्रक्रिया के लिए पहल करनी चाहिए. एजेंसियों को इस पहल पर भी विचार करना चाहिए और भंडारा जिले में पर्यटन विकास और तीर्थयात्रा विकास के लिए एक विकास योजना प्रस्तुत करनी चाहिए. उन्होंने जल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अलग से निधि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया. इस अवसर पर नागपुर संभागीय अतिरिक्त आयुक्त डॉ. माधवी खोडे-चवरे अपने कार्यालय से ऑनलाइन उपस्थित थीं.



से राय ली है उनका यह कहना है कि पेशेंट को ऑपरेशन के बाद ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर ने देखा बहुत जरूरी होता है ताकि पेशेंट की इमरजेंसी या तबीयत खराब होती है तो डॉक्टर अवेलेबल रहने से उसका तुरंत इलाज होता है.

क्या प्रशासन को ऐसे अस्पताल में हो रही समस्या नहीं दिखती ? यह सवाल उठ रहा है ऐसे डॉक्टरों का रजिस्ट्रेशन क्या कैसिल नहीं होना चाहिए ? जहां पर उधारी के डॉक्टर से काम कराया जाता है इर CIN ने हर पार्ट में मेघा के हो रहे इलाज के साथ-साथ मेघा की हर जानकारी प्रकाशित की है ताकि मेघा और उसके परिवारों को न्याय मिले मेघा की मौत के बाद इस हादसे को गंभीरता से लेते हुए डीडी की स्तरीय चौकषि समिति का बयान हो चुका है. भंडारा, सारांडी और ब्रह्मपुरी इन तीनों जगह में चौकसी समिति जाकर सभी बयान और चौकशी कर ली है खबरों के माध्यम से मेघा बनारसे के मामले की हर जानकारी दिखाई जा रही है ताकि इस केस में प्रशासन को जागरूक किया जाए और बड़ा खुलासा होना चाहिए ताकि संबंधित डॉक्टर या कर्मचारी पर करवाई होणी चाहिये और मेघा बनारसे को न्याय मिलना चाहिए.

आस्था हॉस्पिटल ने क्यों नहीं दी सरकारी हॉस्पिटल को पूर्व सूचना

मेघा बनारसे का कुटुंब नियोजन का ऑपरेशन हुआ था यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है इसकी सारी सूचना जिला शैल्यचिकित्सक और जिला आरोग्य अधिकारी को बताना जरूरी है जैसे श्री साई हॉस्पिटल भंडारा ने जिला आरोग्य अधिकारी भंडारा और जिला शैल्यचिकित्सक भंडारा को सूचित किया था कि उनके पास ऐसी पेशेंट एडमिट हुई है वैसे आस्था हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने जिला आरोग्य अधिकारी चंद्रपुर और जिला शैल्य चिकित्सक चंद्रपुर या फिर मेडिकल सुपरिटेण्डेंट ब्रह्मपुरी हॉस्पिटल इनको सूचित नहीं किया एक राष्ट्रीय प्रोग्राम की शास्त्र किया हुई पेशेंट को अगर कोई कॉम्प्लिकेशन होते हैं और वह निजी अस्पताल में जाती है तो निजी अस्पताल का यह कर्तव्य बनता है कि वह संबंधित अधिकारियों को सूचित करें.

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले के सरांडी आरोग्य केंद्र में 16 नवंबर को मेघा का कुटुंब नियोजन का ऑपरेशन किया गया था जिसका एक बड़ा खुलासा इर उक्त कर रही है आपको बता दी की 31 दिसंबर और 10 जनवरी को दो बार मेघा बनारसे का ऑपरेशन ब्रह्मपुरी के आस्था अस्पताल में किया गया. ऑपरेशन के लिए जनरल सर्जन नागपुर से बुलाया गया था लेकिन कहा जा रहा है कि ऑपरेशन करने के बाद दोबारा कभी भी पेशेंट को नागपुर के सर्जन ने नहीं देखा खबर यह है कि 30 दिसंबर को मेघा बनारसे को आस्था अस्पताल ब्रह्मपुरी में भर्ती कराया गया और उसे वेंटिलेटर पर रखा ब्रह्मपुरी के आस्था अस्पताल के डायरेक्टर भूलतज डॉक्टर है इसलिए वह सर्जरी करने के लिए बाहर से डॉक्टर बुलाते हैं मेघा बनारसे के केस में भी यही हुआ पेशेंट वेंटिलेटर पर होने के बाद भी पेशेंट की 31 दिसंबर और 10 जनवरी को दो बार सर्जरी की गई सर्जरी करने वाला डॉक्टर नागपुर से बुलाया गया इसका मतलब यह है. कि सर्जरी कर डॉक्टर वापस चले गए और बताया जा रहा है कि डॉक्टर ने पेशेंट को दोबारा मुड़कर भी नहीं देखा इर उक्त ने अपने हर पार्ट में जानकारी दी है और डॉक्टर

पवनी पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध रेत परिवहन करने वाले 3 ट्रकों पर छापा, 1.52 करोड़ का माल जब्त

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

पवनी : पुलिस ने अवैध रेत तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन ट्रकों को जब्त किया है। इस दौरान कुल 1.52 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध रेत और ट्रक जब्त किए गए पवनी पुलिस स्टेशन के निरीक्षक निलेश ब्राम्हणे को गुप्त सूचना मिली कि गुडेगांव क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने शिवाजी चौक, गुडेगांव में घेराबंदी कर तीन संदिग्ध ट्रकों को रोका और उनकी जांच की जिसमें ट्रक क्रमांक MH 40/CD 4172, ट्रक क्रमांक MH



32/अख 3361, ट्रक क्रमांक MH 34/ई 8114 में लगभग 12 ब्रास रेत भरी हुई थी। जब पुलिस ने चालक और मालिकों से रेत परिवहन के परमिट की मांग की, तो वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके इस मामले में कुल 8 लोगों को पर मामला दर्ज किया जिनमें ट्रक चालक, क्लीनर और मालिक शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 379, 34, तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986

की धारा 7 और 9 के तहत मामला दर्ज किया गया है जब ट्रकों की कीमत 1.50 करोड़ रुपये, जब्त रेत की अनुमानित कीमत 72,000 रुपये एसा कुल 1.52 करोड़ रुपये का माल जब्त किया है. इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व पवनी पुलिस निरीक्षक निलेश ब्राम्हणे ने किया, जो पुलिस अधीक्षक नूरुल हसन, अपर पुलिस अधीक्षक ईश्वर कातकडे, और उपविभागीय पुलिस अधिकारी मनोज सीडाम के मार्गदर्शन में हुई। पुलिस अब मामले की गहन जांच कर रही है और अवैध रेत तस्करी में संलिप्त अन्य लोगों की तलाश जारी है.

रॉड मारकर किया घायल

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : पैसों के विवाद में रॉड से हमला कर व्यक्ति को घायल करने की घटना रविवार को आसगांव में घटी. घायल व्यक्ति का नाम रामायण नगरी लक्ष्मीबाई वार्ड भंडारा निवासी संजय कैलाश मदान (42) और आरोपी के नाम धामनी

निवासी सूरज एकनाथ शहारे (29), शरद एकनाथ शहारे (35), एकनाथ झिंगर शहारे (55) और एक महिला है. सूरज चार-पांच महीने पहले संजय मदान की कार पर ड्राइवर के तौर पर काम कर रहा था. उस समय उन्होंने उसे 75 हजार रुपये एडवांस लिए थे. सूरज ने 31 अक्टूबर से काम पर आना

बंद कर दिया. संजय ल्यौहार के दौरान अपने दोस्त से मिलने विरली गए थे. तभी उन्हें सूरज दिखाई दिया. जब उससे पैसों के बारे में पूछा तो उसने गोलमोल जवाब दिया और चला गया. इसके बाद सूरज और चार अन्य लोग चार पहिया वाहन से आसगांव स्थित अपने दोस्त धनराज हत्तिमारे के घर पहुंचे.

कैंसर से बचाव हुआ संभव लेकिन आंकड़े अब भी ज्यादा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले में स्वास्थ्य विभाग की असक्रामक रोग नियंत्रण मुहिम के तहत की गई जांच में कुल 1291 लोगों में कैंसर का निदान हुआ है. इसमें 800 मुंह का कैंसर,

324 स्तन कैंसर और 167 गर्भाशय कैंसर के रोगी पाए गए हैं. इस आंकड़े से जिले में कैंसर का बढ़ता खतरा सामने आया है. कैंसर का जल्दी निदान होने पर इस रोग का पूरी तरह से इलाज संभव है. इसलिए अगर कोई लक्षण दिखें तो संबंधित व्यक्तियों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर प्राथमिक जांच और चिकित्सा सलाह लेना जरूरी है. स्वास्थ्य विभाग द्वारा बड़ी संख्या में जांच की जा रही है और रोगियों को आगे के इलाज के लिए संबंधित अस्पतालों में भेजा जा रहा है.

भविष्य की जरूरत देख किसान नई तकनीक सीखें : सांसद पटेल

पिंपलगांव के तीन दिवसीय शंकरपट में दौड़ी बैल जोड़ियां

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : कृषि व्यवसाय में बैलजोड़ी के बिना खेती की कल्पना करना असंभव है। लेकिन किसान भविष्य की जरूरतों देखते हुए नई तकनीक सिखकर कृषि व्यवसाय करें। वर्तमान में धान की नर्सरी मशीन से हो रही है। इस लिए तकनीक का उपयोग कर रूप व समय की बचत करके अधिक उपज लेने का आह्वान राज्यसभा सांसद प्रफुल पटेल ने किया। पिंपलगांव सड़क में शंकरपट की परंपरा के शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में कृषि विभाग व आत्मा प्रकल्प, पशु संवर्धन विभाग के संयुक्त



तत्वावधान से तीन दिवसीय कृषि प्रदर्शनी व शंकरपट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। रविवार, 2 फरवरी को सांसद डॉ. प्रशांत पडोले के हाथों विधायक नाना पटोले की अध्यक्षता में कृषि प्रदर्शनी व

कृषि विभाग की पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस समय मंच पर प्रमुख अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद प्रफुल पटेल, जिला परिषद अध्यक्ष कविता उडके, उपाध्यक्ष एकनाथ फेंडर, भंडारा सहकारी बैंक के सुनील फंडे, जिलाधिकारी संजय कोलते, मुख्य कार्यकारी अधिकारी समीर कुर्तकोटी, जिला पुलिस अधीक्षक नूरुल हसन, आत्मा प्रकल्प के संचालक उर्मिला चिखले, जिला कृषि अधीक्षक संगीता माने, पिंपलगांव के सरपंच श्याम शिवणकर व कृषि विभाग के प्रमुख शेष पेज 14 अधिकारी उपस्थित थे.

वैन चालक ने बच्ची से की धिनौनी हरकत

पुलिस में पोक्सो मामला दर्ज, स्कूल प्रबंधन ने नहीं दिखाई गंभीरता

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : प्राइवेट स्कूल वैन से रोजाना स्कूल जाने वाली 10 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने वाले वैन चालक के खिलाफ भंडारा पुलिस थाने में पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है. आरोपी चालक सुभाष फत्तूजी नेवारे फिलहाल फरार है, और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है. घटना शनिवार 1 जनवरी की है, जब भंडारा शहर के रॉयल पब्लिक स्कूल की छात्रा को स्कूल छोड़ने के लिए 35 वर्षीय वैन चालक सुभाष नेवारे उसके घर पहुंचा. चालक ने बड़ी बहन और छोटे भाई को लेकर स्कूल के लिए गाड़ी बढ़ाई. कुछ दूर जाने के बाद, छोटे भाई को पीछे बैठने कहा.



ने उससे वजह पूछी. तब बच्ची ने पूरी घटना अपनी मां को बताई. इसके बाद पिता ने वैन मालिक कोमल शेंडे को फोन कर शिकायत की, लेकिन मालिक ने इसे गंभीरता से नहीं लिया. आखिरकार, आज बच्ची की मां ने भंडारा पुलिस थाने में औपचारिक शिकायत

दर्ज करवाई. पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी चालक सुभाष नेवारे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया. हालांकि, आरोपी फिलहाल फरार है. खुल कर सामने आये अभिभावक इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने

अभिभावकों की मदद करने वाले शिक्षा बचाओ आंदोलन के नितिन निनावे ने 'नवभारत' बताया कि रॉयल पब्लिक स्कूल प्रिन्सपल सैमुएल से मिलकर आपबीती बताने के बाद भी स्कूल प्रबंधन ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया. औपचारिक शिकायत दर्ज करने भी स्कूल प्रिंसपल ने आनाकानी की. जिसके बाद पीड़िता ने बताया कि वह वैन चालक उसी स्कूल की एक पांचवी कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा के साथ भी पिछले 3 महीने से ऐसी हरकतें कर रहा है. लेकिन डर के मारे उसके अभिभावक सामने नहीं या रहे. निनावे ने कहा कि यह सोशल एविल (सामाजिक बुराई) है जिससे लड़ने समाज के सभी घटकों ने सामने आना चाहिए. अक्सर अभिभावक बदनामी के डर से मामला दबा देते हैं जिसका विपरीत प्रभाव लड़कियों की सेहत पर होता है और ऐसी बुराई करने वाले शिक्षित मानसिकता को बढ़ावा मिलता है. उन्होंने अपील की की ऐसे मामलों में सतर्कता बरतते हुए सामने आये और अपराधियों को सबक सिखाएं.

रेत की तस्करी करते रंगेहाथ पकड़ा

6.06 लाख रुपयों का माल जब्त

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदूर : तहसील के तावशी नदी घाट से सरेआम रेत की निकासी कर परिवहन करते एक ट्रैक्टर रंगेहाथ पकड़ा गया है. इस कार्रवाई के तहत दिघोरी/मो. पुलिस ने लाखणी तहसील के महेंगांव निवासी देवेन्द्र उके (22) नामक ट्रैक्टर चालक सहित कैलाश ब्राह्मणकर (45) नामक ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर कुल 6.06 लाख रुपयों का माल जब्त किया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना के दिन दोपहर के दौरान दिघोरी/मो. थाने के सहायक थानेदार प्रमोद शिंदे, पुलिस हवलदार हितेश मंडवी, उमेश वल्के पुलिस अमलदार रूपचंद

वैद्य, अमित सातके आदि पुलिस कर्मी रेत तस्करी के प्रतिबंध के लिए स्थानीय चूलबंद नदी घाट परिसर में गश्त पर गए थे. इस दौरान पुलिस कर्मियों को घटना के आरोपी मिलीभगत में स्वराज कंपनी के ट्रैक्टर (क्र. एमएच 36 एएल 3315) से तहसील के तावशी स्थित चूलबंद नदी घाट से दिनदहाड़े रेत की तस्करी करने की गुप्त खबर दी गई. पुलिस अधिकारी कर्मियों ने नदी घाट पहुंचकर नदी घाट में ही ट्रैक्टर से रेत की निकासी एवं परिवहन करते रंगेहाथ पकड़ा. इस घटना में पुलिस ने घटना के आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

संपादकीय

मध्यमवर्गीयांची स्वाजपूर्ती करणारा अर्थसंकल्प

पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या सरकारने ३.० काळातील आपला पहिला अर्थसंकल्प म्हणजे मध्यमवर्गीयांचा अर्थसंकल्प आहे. याच वर्गाने भाजपाला कायम हात दिला आहे आणि कायम हा वर्ग त्याच्या पाठिशी उभा राहिला आहे. मध्यंतरी भाजपाने या वर्गाकडे दुर्लक्ष केले आणि त्याची शिक्षा म्हणून भाजपाला ३०३ जागांवरून २७० जागांवर खाली यावे लागले होते. आता भाजपाने आपली चूक ओळखून पुन्हा मध्यमवर्गीयां तारणहार मानले आहे आणि त्याची भरपाई या अर्थसंकल्पात दिसली. केवळ मध्यमवर्गीय मतदारच नव्हे, तर भाजपाने सर्वच वर्गांना काही ना काही दिले आहे. पण मध्यमवर्गीय मतदार हाच त्यात प्रमुख आहे आणि त्यामुळे भाजपा आता मेरे पास मध्यमवर्ग है असे म्हणू शकतो. सर्वांत मोठी सवलत भाजपाने या मध्यमवर्गीयां दिली आहे ती म्हणजे करसवलतीच्या रूपात. १२ लाख रुपयांपर्यंत कोणताही कर द्यावा लागणारा नाही अशी व्यवस्था भाजपाने यात केली आहे. अर्थात कर सवलत केवळ १२ लाख रुपयांपर्यंत सरसकट नाही असे काही तज्ज्ञांनी पटवून दिले आहे. पण प्रथमदर्शनी दिसते ते म्हणजे मध्यमवर्ग या अर्थसंकल्पातून मालामाल होणार आहे.

अनेक वर्षांच्या दुर्लक्षानंतर या वर्गाला खूप काही निर्मला सीतारामन यांनी दिले आहे. त्याबरोबरच, बिहार या राज्याला अनेक सवलती दिल्या आहेत. हे साहजिक आहे. कारण बिहारमुळे हे सरकार तरले आहे त्यामुळे त्या राज्याला अर्थसंकल्पात घसघशीत वाटा मिळणार अशी अपेक्षा होती. या अर्थसंकल्पात प्रत्येक लाभार्थी आणि क्षेत्रासाठी भरीव तरतुदी केल्या आहेत. बिहार, लघु आणि मध्यम उद्योग यांना झुकते माप देण्यात आले आहे. हे साहजिक आहेत कारण लघु आणि मध्यम उद्योग किंवा एमएसएमई क्षेत्रातील उद्योगांचा आकार लहान असतो आणि त्यांना कर्जही जास्त दिली जात नाहीत. यंदा या क्षेत्राला अधिक कर्ज मिळणार असून हे क्षेत्र भारताच्या अर्थजगतातील महत्त्वाचे क्षेत्र म्हणून उदयास येणार आहे. पंतप्रधान मोदी यांचा लाडका उद्योग म्हणजे स्टार्ट अप उद्योग आहेत. या उद्योगाला तसेच अणुऊर्जा, विमा क्षेत्र आणि पर्यटन तसेच गिंग कामगार, कर्करोग ग्रस्त यांना अर्थसंकल्पात भरीव तरतुदी दिसून येतात. विमा क्षेत्राला प्रोत्साहन देण्यासाठी उपाययोजना हे अत्यंत स्वागतार्ह पाऊल आहे कारण १४० कोटी लोकसंख्येच्या भारतात विमा क्षेत्राला महत्त्व देणे आवश्यक होतेच. त्यासोबतच अणुऊर्जा क्षेत्रालाही भरीव तरतुदी केल्या आहेत. अणुऊर्जा ही अशी ऊर्जा आहे की, जिचा वापर फार थोडा झाला आहे. देशातील विजेची गरज प्रचंड प्रमाणात वाढली असताना या क्षेत्राचा कमी वापर होणे हे आपल्याकडे मागासलेपणाचे लक्षण आहे. फ्रान्ससारख्या देशात अणुऊर्जेचा उपयोग ७५ टक्के देशांतर्गत विजेच्या गरजा भागवण्यासाठी होत असतो. भारतात मात्र अणुऊर्जा क्षेत्राचा विस्तार करण्याचा सरकारने प्रयत्न करायचा ठरवलेला दिसतो आहे.

परदेशी कंपन्यांसाठी विमा क्षेत्र संपूर्ण खुले करण्याचा सरकारचा निर्णय स्वागतार्ह आहे. कारण ज्यावेळी भाजपा असे पाऊल उचलते तेव्हा काँग्रेस त्यास विरोध करते असा इतिहास आहे. यंदाही काँग्रेसने तसे केले पण भाजपाने त्यास जुमानले नाही. विमा क्षेत्र परकीय कंपन्यांना खुले करण्याने देशाच्या सार्वभौमतेविषयी बोंबा मारल्या जातील आणि काँग्रेस त्यात आघाडीवर असेल, पण कुणी तरी असे धाडसी पाऊल घ्यावेच लागेल. ते मोदी सरकारने केले आहे त्याबद्दल



मोदी यांचे स्वागत करावे लागेल.

दिल्ली विधानसभेचे मतदान काही दिवसांवर येऊन टेपलेले असताना १२ लाख रुपयांपर्यंत उत्पन्न आयकर मुक्त ही घोषणा क्रांतिकारक वाटू शकते. पण दिल्ली विधानसभा निवडणूक डोळ्यांसमोर ठेवून हा अर्थसंकल्प तयार केलेला नाही हे नमूद करण्याजोगे. ज्या राज्यांनी निवडणुकीत किंवा निवडणुकोत्तर मदत केलेली आहे त्या राज्यांना अर्थसंकल्पात प्राधान्य देणे हे तर कोणत्याही सरकारचे उद्दिष्ट असते. काँग्रेसच्या काळात ही हेच होत असे. त्यामुळे काँग्रेसला आता भाजपाला बोल लावण्यात काही अधिकार नाही. मागील अर्थसंकल्पावर आंध्रप्रदेशची मोहोरे होती. यंदा ती बिहारची आहे. निर्मला सीतारामन यांनी त्या राज्याला अर्थसंकल्पाने जोडून जाहीर केल्या यात त्यांनी वाचणे काही केले असे वाटत नाही. कारण बिहारचा विकास व्हावा ही पत्येक भारतीयांची इच्छा आहे. कारण प्रत्येक राज्य पुढारले तरच आपण विकसित भारत हा मार्ग जो अनुसरला आहे तो संकल्प पूर्ण करू शकतो. यामुळे बिहारला सवलती दिल्या आणि अनेक योजना दिल्या त्यामुळे इतरांच्या पोटात दुखण्याचे काहीच कारण नाही.

शेतीसाठी देशातील १०० अनुत्पादक जिल्हे निवडून तेथे विशेष योजना राबवली जाणार आहे. हे स्वागतार्ह पाऊल आहे. कारण शेतीसाठी विरोधक जी बॉम्ब मारत आहे की, शेतीसाठी हमी भाव योजना जाहीर केली नाही त्याला उत्तर निर्मला सीतारामन यांनी दिले आहे. खाद्य तेल आणि डाळी यासंदर्भात काही योजना असतील आणि त्यांचे यशापयश येत्या काही महिन्यात आकलन केले जाईल. महिलांसाठी काही योजना खरोखर आवश्यक होत्या आणि त्याची घोषणा निर्मला सीतारामन यांनी केली आहे. ती म्हणजे अनुसूचित जातीतील महिलांसाठीची कर्जमयारी वाढवली असून ती २० लाख केली आहे. ही स्वागतार्ह योजना आहे. कारण या वर्गातील महिला जर स्वावलंबी झाल्या तरच भारत प्रगती करू शकेल. अर्थसंकल्पीय अधिवेशन सुरू होताना पंतप्रधान मोदी यांनी माँ लक्ष्मी गरीब आणि मध्यमवर्गीय प्रसन्न होतील अशी अपेक्षा व्यक्त केली होती.

नेमके तेच अर्थसंकल्पात निर्मला सीतारामन यांनी केलेल्या घोषणेत केले आहे मोदी सरकारने सर्वांस विशेषतः मध्यमवर्गांस खूप करणारा अर्थसंकल्प मांडून पुन्हा आपल्या लाडक्या वर्गाकडे वळण्याचे संकेत दिले आहेत. बाकी अनेक योजना आहेत की, ज्यांचा उल्लेख अर्थसंकल्पात आहे. म्हणजे भारतीय भाषा पुस्तक योजना आणि अनेक लहान मोठ्या योजना आहेत. विरोधकांकडून या अर्थसंकल्पावर नेहमीप्रमाणे निराशाजनक वगैरे टीका झाली आहे. ती नेहमीची पटडीबाज आहे, कारण त्यांना अशी काहीतरी टीका करावीच लागते. पण एकूण मध्यमवर्ग केंद्रीत असा हा अर्थसंकल्प आहे.

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : दि 31 जानेवारी : भंडारा जिल्हाच्या सन 2025- 26 यावर्षीच्या जिल्हा वार्षिक योजनेच्या 237 कोटीच्या प्रारूप आराखडयास आज जिल्हा नियोजन समितीने मंजूरी दिली.

वस्त्रोद्योग मंत्री मंत्री तथा जिल्हाचे पालकमंत्री संजय सावकारे यांच्या अध्यक्षतेखाली आज जिल्हा नियोजन समितीची बैठक झाली. जिल्हा नियोजन समितीची बैठक आज जिल्हा नियोजन भवन येथे पार पडली. आजच्या बैठकीला जिल्हा परिषद अध्यक्ष कविता उईके आमदार ,नाना पटोले, आमदार परिणय फुके, आमदार नरेंद्र भोंडेकर, आमदार राजू कारेमोरे, आमदार अर्भजीत वंजारी, जिल्हाधिकारी डॉ. संजय कोलते, मुख्य कार्यकारी अधिकारी समीर कुर्तकोटी, पोलीस अधीक्षक नुरुल हसन, आदींची उपस्थिती होती.

जिल्हा वार्षिक योजना सन 2024-25 अंतर्गत सर्वसाधारण योजनेकरिता रूपए 246.00 कोटी, अनुसूचित जाती उपयोजना करिता रूपए 53.00 कोटी व आदिवासी उपयोजना क्षेत्रबाहय या योजनाकरिता रूपए 4.49 कोटी असे एकूण रूपए 120.38 कोटी निधी अर्थसंकल्पिय वितरण प्रणाली प्राप्त झालेला आहे.

2024-25 च्या प्राप्त तरतुदी

जिल्हाला भरीव तरतूद देण्याचा प्रयत्न : उपमुख्यमंत्री अजित पवार



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिल्हा नियोजन समितीद्वारे जिल्हातील विकास कामांना निधी देण्यात येतो. गतवर्षीपेक्षा भंडारा जिल्हाला २०२५-२६ यावर्षासाठी भरीव निधी देण्याचा शासनाचा प्रयत्न राहिल असे आश्वासन उद्गार उपमुख्यमंत्री अजित पवार यांनी आज येथे काढले. ऑनलाईन बैठकीद्वारे भंडारा जिल्हाचा जिल्हा नियोजन समितीचा आढावा त्यांनी घेतला. यावेळी पालकमंत्री संजय सावकारे, वित्त राज्यमंत्री आशिष जयस्वाल हे ऑनलाईन पद्धतीने उपस्थित होते. तर जिल्हाधिकारी कार्यालयातून जिल्हाधिकारी डॉ. संजय कोलते, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, समीर कुर्तकोटी व सर्व विभाग प्रमुख सभागृह परिषद कक्षात उपस्थित होते. यावेळी बोलताना पवार

म्हणाले की शासकीय इमारती इमारतींचे विद्युतीकरण हे सौरऊर्जेद्वारे करण्यात यावे. या कामाला प्राधान्य देण्यात यावे.

यासाठी सार्वजनिक बांधकाम विभाग असेल किंवा सर्व शासकीय कार्यालय विभाग प्रमुख असतील यांनी सौर ऊर्जेवर विद्युतीकरण प्रक्रियेसाठी पुढाकार घ्यावा. भंडारा जिल्हातील पर्यटन विकासासाठी व तीर्थक्षेत्र विकासासाठी देखील यंत्रणांनी या दृष्टीने विचार करून विकास आराखडा सादर करावा. जल पर्यटनाला प्रोत्साहन देण्यासाठी वेगळा निधी देण्याचे त्यांनी आश्वासन केले. यावेळी ऑनलाईन पद्धतीने नागपूर विभागीय अप्पर आयुक्त कार्यालयातून डॉ. माधवी खोडे झ चवरे उपस्थित होत्या.

भृत्य कृषि विकास परिषद, कृषि प्रदर्शनाचे आयोजन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : कृषि विभाग भंडारा, कृषि तंत्रज्ञान व्यवस्थापन यंत्रणा (आत्मा), भंडारा, व कृषि संलग्न विभाग यांचे संयुक्त विद्यमाने दि. ०२ ते ०५ फेब्रुवारी २०२५ या कालावधीत मौजा पिंपळगाव/सडक, ता. लाखनी, जिल्हा भंडारा येथे भव्य कृषि विकास परिषद, कृषि प्रदर्शन तसेच जिल्हा पशुसंवर्धन विभागामार्फत पशुपक्षी प्रदर्शन आयोजित करण्यात आले आहे. पिंपळगाव सडक येथील शंकरपटाच्या शताब्दी महोत्सवानिमित्त सदर कृषि विकास परीषद व कृषि प्रदर्शनाचे आयोजन करण्यात आले आहे.

या कृषि प्रदर्शनाचे उद्घाटन रविवार दि. ०२ फेब्रुवारी २०२५ रोजी मा. ना. श्री. संजय सावकारे, मंत्री वस्त्रोद्योग, महाराष्ट्र राज्य तथा पालकमंत्री, भंडारा यांचे शुभहस्ते होणार आहे. उद्घाटन कार्यक्रमाचे अध्यक्षस्थान मा. सौ. कविता उईके, अध्यक्ष, जि.



प. भंडारा भूषवितील. कृषि प्रदर्शन, पशुपक्षी प्रदर्शन, उत्पादक ते ग्राहक थेट विक्री, कृषि व संलग्न व्यवसायाबाबत चर्चासत्र व परीसंवाद, शेतकरी सन्मान समारंभ, महिला बचत गट निर्मित वस्तुंचे प्रदर्शन व विक्री ही प्रदर्शनाची ठळक वैशिष्ट्ये आहेत. प्रदर्शनात शेती उपयोगी औजार, सिंचन साधने यांचे स्वतंत्र दालन, कृषि निविद्या, सेंद्रिय

पद्धतीने उत्पादित शेतमाल व प्रक्रिया उत्पादने, कलात्मक वस्तु, खाद्य पदार्थ आणि बचत गटांनी तयार केलेल्या गृहयोगी वस्तु विक्रीसाठी उपलब्ध असतील. कृषि व्यवसायातील नवनवीन तंत्रज्ञानावर आधारित प्रात्यक्षिकेही शेतक-या-यांना प्रत्यक्ष पाहण्याची संधी शेतक-यांना प्रदर्शनात लाभेल.

पालकमंत्री संजय सावकारे यांच्या अध्यक्षतेत जिल्हा नियोजन समितीची बैठक



पैकी सर्वसाधारण योजनेअंतर्गत रूपए 77.95 कोटी, अनुसूचित जाती उपयोजनाअंतर्गत रूपए 11.74 कोटी व आदिवासी उपयोजना क्षेत्रबाहय या योजनाअंतर्गत रूपए 3.24 कोटी असे एकूण रूपए 92.93 कोटी कार्यवाही यंत्रणांना वितरीत करण्यात आलेला आहे. वितरीत तरतुदी पैकी सर्वसाधारण योजनेअंतर्गत रूपए 61.94 कोटी, अनुसूचित जाती उपयोजनाअंतर्गत रूपए 10.91 कोटी व आदिवासी उपयोजना क्षेत्रबाहय या योजनाअंतर्गत रूपए 2.25 कोटी असे एकूण रूपए 75.09 कोटी निधी खर्च झालेला आहे. वितरीत तरतुदीशी खर्चाची टक्केवारी 80.81 टक्केएवढी आहे.

शासनाने आर्थिक मर्यादा घालून दिली आहे. तर विविध विभागाने 640 कोटीची मागणी केली आहे. मंत्रालय स्तरावर रचित व नियोजन मंत्र्यांच्या मार्गदर्शनात राज्यस्तरीय बैठक होईल. त्यामध्ये शासनाने घातलेली मर्यादा व प्रत्यक्ष मागणी यावरून जिल्हाच्या 2325- 26 चा नियोजनाचा आराखडा ठरणार आहे. या आराखड्यामध्ये जिल्हातील यंत्रणेने प्रस्तावित केलेल्या मागणीप्रमाणे निधी मिळावा यासाठी प्रयत्न

करणार असल्याचे पालकमंत्री संजय सावकारे यांनी स्पष्ट केले.

जिल्हाच्या 2025 -26च्या मर्यादेंतील आराखड्यात भरीव वाढ करण्याची शिफारस राज्यस्तरीय बैठकीत करण्यात येईल, असे आश्वासन पालकमंत्र्यांनी दिले. वित्त व नियोजन मंत्र्यांच्या बैठकीमध्ये आता जिल्हाच्या डीपीडीसीच्या अंतिम प्रारूपाला मान्यता मिळणार आहे.

तत्पूर्वी, आज पालकमंत्री महोदयांच्या उपस्थितीत झालेल्या या बैठकीमध्ये जवाहरनगर दुर्घटनेतील मृतकांना श्रद्धांजली वाहण्यात आली. विविध विषयांवर चर्चा झाली. यामध्ये प्रामुख्याने ओबीसी वस्तीगृहाचा मुद्दा, मत्सयबीज निर्मातीसाठी प्रशिक्षण केंद्र उभारणे, पर्यटन स्थळांचा विकास ,जलजीवनमधील प्रलंबीत कामे, वाळू धोरणानुसार नागरिकांना किफायतीशीर दरात वाळू उपलब्ध करून देणे, आदी विषयांवर लोकप्रतिनिधींनी चर्चेत सहभाग घेतला. यासोबतच केंद्र व राज्य शासनाच्या विविध योजनांबाबत व जिल्हातील अंमलबजावणी बाबत यावेळी अधिकाऱ्यांसोबत उपस्थित

आमदारांनी चर्चा केली. जिल्हातील महत्त्वाच्या प्रश्नाविषयी जिल्हाधिका-यांनी अधिनस्त यंत्रणांची बैठक घेऊन गतीमान पध्दतीने शंभर दिवसाचा कार्यक्रमाची अंमलबजावणी करावी, तसेच विकासकामांची वेळोवेळी माहिती स्थानिक लोकप्रतिनिधींना द्यावी, याबाबतही यावेळी पालकमंत्र्यांनी निर्देशित केले.

जिल्हा वार्षिक योजना सन 2025-26 प्रारूप आराखडा सर्वसाधारण जिल्हा वार्षिक योजना सन 2024-25 मध्ये रूपए 246.00 कोटी नियतव्यय मंजूर असून सन 2025-26 करिता शासनाने कमाल नियतव्यय मर्यादा रूपए 173.27 कोटी कळविलेली आहे. अनुसूचित जाती उपयोजना (विधयो) सन 2024-25 मध्ये रूपए 53.00 कोटी नियतव्यय मंजूर असून सन 2025-26 करिता शासनाने कमाल नियतव्यय मर्यादा रूपए 53.00 कोटी कळविलेली आहे. आदिवासी उपयोजना क्षेत्रबाहय (ओटीएसपी) सन 2024-25 मध्ये रूपए 10.76 कोटी नियतव्यय मंजूर असून सन 2025-26 करिता शासनाने कमाल नियतव्यय मर्यादा रूपए 10.96 कोटी कळविलेली आहे. शासनाने ठरवून दिलेल्या मर्यादेंत आराखडे तयार करण्यात आलेले आहेत. सन 2025-26 करिता अंमलबजावणी अधिकाऱ्यांकडून रूपए 8.77.44 कोटी ची मागणी प्राप्त झालेली आहे. शासनाने ठरवून दिलेल्या मर्यादेंत आराखडे तयार केल्यानंतर रूपए 640.21 कोटीची अतिरिक्त मागणी आहे. बैठकीचे प्रास्ताविक जिल्हाधिकारी डॉ. संजय कोलते यांनी केले. तर सूत्रसंचालन जिल्हा नियोजन अधिकारी संजय कडु यांनी केले.

अंगणवाडी कर्मचाऱ्यांचा जिल्हा परिषदेवर मोर्चा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : आयटक संलग्न अंगणवाडी बालवाडी कर्मचारी युनियन राज्य कॉन्सिलच्यावर्तने ३ फरवरी ते १५ फरवरी मांगणी पंधरवडा आयोजित करण्यात आलेला आहे त्याचा भाग म्हणून आज दि. ३ फेब्रु. २०२५ रोजी भंडारा जिल्हा परिषद कार्यालयावर राज्यस्तरीय व जिल्हास्तरीय मागण्यांना घेऊन राज्य अध्यक्ष को. दिलीप उटाणे, कॉ. सविता लुटे, कॉ. हिवराज उके यांच्या नेतृत्वात भंडारा एसटी स्टँड वरून तर मुख्य रस्त्याने जिल्हा परिषद वर विशाल मोर्चा काढून घोषणाबाजी करत विशाल सभेत रूपांतर झाले.

या सभेला मार्गदर्शन करताना महाराष्ट्र राज्य अंगणवाडी बालवाडी कर्मचारी युनियन राज्य अध्यक्ष कॉ. दिलीप उटाणे यांनी सर्वोच्च न्यायालयाने दिलेल्या आदेशानुसार ग्रॅज्युटी व दरमहा पेन्शन लागू करा अशी मागणी करत शासनाने मागील जानेवारी दिलेल्या



आश्वासनाप्रमाणे अंगणवाडी कर्मचाऱ्यांना सर्वोच्च न्यायालय यांनी दिलेल्या निर्णयानुसार अंगणवाडी कर्मचाऱ्यांना ग्रॅज्युटी, उच्च न्यायालय गुजरात यांनी दिलेल्या निर्णयानुसार सरकारी कर्मचाऱ्यांच्या दर्जाआजारपणाचा रजा इत्यादी राज्यस्तरीय व जिल्हास्तरीय मागण्यांचे निवेदन जिल्हा कार्यक्रम अधिकारी संजय जोले यांना देऊन चर्चा करण्यात आली स्थानिक मागण्या पंधरा दिवसात निकाली काढण्याचे आश्वासनउपमुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा जिल्हा कार्यक्रमाधिकारी संजय जोले यांनी दिले.इत्यादी विविध मागण्यांवर चर्चा करण्यात आली तसेच राज्यशासनाने

दिलेल्या आश्वासन पाडले नाही तर तीन मार्च २०२५ रोजी मुंबई विधानसभेवर मोर्चा काढण्यात येईल असा निर्णय जाहीर करण्यात आला. मोर्चाला मंगला गजभिये, अलका बोरकर, रिता लोखंडे, मंगला रंगारी, रेखा टेंभुर्णे, सुनंदा चौधरी, गौतमी मंडोपे, कुंदा भटाडे, छाया क्षीरसागर, गौतमी धवसे, अनिता घोडीचोरे, छाया गजभिये इत्यादींनी आपले जिवार व्यक्त केले. मोर्चात जवळपास १५०० अंगणवाडी कर्मचारी सहभागी झाले होते. अशी माहिती युनियनचे जिल्हा कार्याध्यक्ष व आयटकचे जिल्हा संचिव कॉ. हिवराज उके यांनी दिली.

रस्ते महामार्गासाठी जमीनी देण्यास शेतकऱ्यांचा नकार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सिल्ली/आंबाडी : तालुक्यातील मानेगाव, बोरगाव (बुज .) जवळून नागपूर-गोंदिया प्रवेश नियंत्रीत शिघ्र संचार द्रुतगती महामार्गाच्या सावरखेडा इंटरचेज पासून गडेगाव पर्यंत या भंडारागडचिरोली जोड रस्त्याच्या बांधकामासाठी मानेगाव, बोरगाव येथील गट क्र. ११३ व ११४ येथील शेतजमीन अधिनियमाच्या कलम ७ अंतर्गत राष्ट्रीय महामार्ग ८ अ नुसार अधिनियम १९५५अन्वये कलम १२ (२) अधिसूचना राजपत्रात प्रसिद्ध करण्यात आली. विशेष महामार्ग बांधकाम जमीनी अधिग्रहण हरकती नोंदविण्यासाठी गुरुवारी एसडीओनी शेतकऱ्यांना कार्यालयात बोलावले. मात्र कुटुंबातील एका सदस्याला आधी सरकारी नोकरी दिल्याशिवाय



रस्ते बांधकामासाठी जमीनी देण्यास शेतकऱ्यांनी नकार दिला आहे. राष्ट्रीय गोसे खुर्द प्रकल्पात बोरगाव येथील शेतकऱ्यांच्या शेतजमीनी आणि घरे यापूर्वीच संपादित झाल्या असून गावाचे नवीन ठिकाणी पुनर्वसन करण्यात आले. याशिवाय टेकेपार उपसा सिंचनासाठी शेतकऱ्यांच्या जमीनी घेण्यात आल्या. त्यामुळे शेतकरी भुमीहिन होण्याच्या मार्गावर असून थोडीफार शिल्लक असलेल्या

शेतजमीनीवर कुटुंबाचे कसे-बसे उदरनिर्वाह होत आहे. मात्र आता पुन्हा शिघ्र संचार द्रुतगती महामार्गाच्या बांधकामाकरिता उरलेल्या जमीनी संपादित केल्यास शेतकऱ्यांवर बेरोजगारी व उपासमारीची वेळ येणार आहे. त्यामुळे जमीनी अधिग्रहित करण्यापूर्वी शेतकऱ्यांच्या कुटुंबातील एका व्यक्तीला सरकारी नोकरी द्यावी. अन्यथा आमच्या जमीनी संपादित करू नका, असे शेतकऱ्यांनी उपविभागीय अधिकाऱ्यांना निवेदन दिले आहे.

पशुपालनाच्या जोडधंद्यातून शेतकऱ्यांनी अर्थार्जन करावे : आ. नाना पटोले

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : कृषी विभाग व आत्मा यांच्या संयुक्त विद्यमाने पिंपळगाव सडक येथे तीन दिवसीय कृषी प्रदर्शन व कृषी विकास परिषद तसेच शंभर वर्षाची परंपरा असलेल्या शंकर पटाचे आज उद्घाटन करण्यात आले. या कार्यक्रमाला अध्यक्ष म्हणून नाना पटोले, उद्घाटक म्हणून लोकसभा खासदार डॉ. प्रशांत पडोळे, तर प्रमुख अतिथी म्हणून भंडारा गोंदिया चे राज्यसभा खासदार प्रफुल पटेल, जिल्हा परिषद अध्यक्ष कविता उईके, उपाध्यक्ष एकनाथ फेंडर यासह जिल्हा परिषदेचे विविध प्रदाधिकारी, तसेच भंडारा सहकारी बँकेचे सुनील फुडे, पिंपळगावचे सरपंच श्याम शिवणकर, जिल्हाधिकारी संजय कोलते, मुख्य कार्यकारी अधिकारी समीरकुर्तकोटी, जिल्हा पोलीस अधीक्षक नरुल हसन, आत्मा प्रकल्प संचालक उर्मिला चिखले, जिल्हा कृषी अधीक्षक संगीता माने यासह कृषी व विविध विभागाचे प्रमुख अधिकारी उपस्थित होते. या कृषी प्रदर्शनी मध्ये कृषि प्रदर्शन, पशुपक्षी प्रदर्शन, उत्पादक ते ग्राहक थेट विक्री, कृषि व संलग्न व्यवसायाबाबत चर्चासत्र व परीसंवाद, शेतकरी सन्मान समारंभ, महिला बचत गट निर्मित वस्तुचे प्रदर्शन व विक्री ही प्रदर्शनाची ठळक वैशिष्ट्ये आहेत.



विक्रीसाठी उपलब्ध आहेत. कृषि व्यवसायातील नवनवीन तंत्रज्ञानावर आधारीत प्रात्यक्षिकेही शेतकऱ्यांना प्रत्यक्ष पाहण्याची संधी आहे. यामध्ये बायोडायनामिक पद्धतीने खत निर्मिती, सीपीपी कल्चर निर्मिती, गांडूळ खत निर्मिती, अझोला उत्पादन, १० ड्रम थेअरी, झेन द्वारे फवारणी, भात नागवडीच्या विविध पद्धती, जैविक पद्धतीने किडनिवयत्रण इ. प्रात्यक्षिकांचा समावेश आहे. शेतकऱ्यांना नविन तंत्रज्ञानाची माहिती व्हावी यासाठी विविध विषयावरील परिसंवाद व चर्चासत्राचे आयोजन करण्यात आले आहे. या कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक प्रकल्प संचालक

आत्मा उर्मिला चिखले यांनी केले. जिल्हाधिकाऱ्यांनी जिल्हातील कृषी विभागाचा प्रगती पर आढावा सादर केला. खा. डॉ. प्रशांत पडोळे यांनी शेतकऱ्यांना केंद्रित ठेवून नवीन योजना तसेच अर्खंडित वीज पुरवठ्याची अपेक्षा यावेळी व्यक्त केली. जिल्हा परिषद अध्यक्ष कविता उईके यांनी या कार्यक्रमाला शुभेच्छा दिल्या. तर खासदार प्रफुल पटेल यांनी शंकरपटाची परंपरा अर्खंडित ठेवणाऱ्या पिंपळगाव वासियांचे अभिनंदन केले. वसंत पंचमीच्या शुभेच्छे देऊन शंकरपट, हे शेतकऱ्यांच्या आस्थेचे विषय असल्याचे सांगितले.

बैलजोडी शिवाय शेतीची कल्पना करता येत नाही, मात्र आता शेतकऱ्यांनी नवीन तंत्रज्ञान देखील शिकून घ्यावे पुढील काही वर्षात धानाचे परहे लावण्यासाठी सुद्धा तंत्रज्ञान येईल. भविष्यकाळाचा वेध घेऊन नवीन तंत्रज्ञान आणि शेती करण्याचे त्यांनी आवाहन केले. पशुपालनाचे शेतकऱ्यांना शेतीला जोडधंद्यात म्हणून पर्याय आहे. आजच्या पशुप्रदर्शनामध्ये उच्च प्रजातीचे व दजेदार पशु पाहायला मिळाले, जोड उद्योगातून शेतकरी आर्थिक रित्या सक्षम व्हावा. त्याला गुणवत्तेची बीवियाणे, खत -निविद्य मिळावे. अशी अपेक्षा अध्यक्षपदावरून बोलताना आमदार नाना पटोले यांनी व्यक्त केली. तसेच सर्व कृषी विभागायंत्रणा तीन दिवस या प्रदर्शनस्थळी उपस्थित असल्याने शेतकऱ्यांनी त्यांच्या काही अडचणी असतील तर त्या कृषी विभागाच्या अधिकाऱ्यांकडून दूर करून घ्याव्यात. शंकरपट हा शेतकऱ्यांसाठी आस्थेचा विषय असल्याने ही परंपरा पुढेही सुरू राहावी, अशी अपेक्षा त्यांनी व्यक्त केली. कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन कृषी अधिकारी वृषाली देशमुख यांनी केले या कार्यक्रमांमध्ये शेतीसाठी आवश्यक असणाऱ्या दोन पुस्तकांचे प्रकाशन मान्यवरांच्या हस्ते करण्यात आले.

कुटूंब नियोजन शस्त्रक्रिया नंतर महिलेचा संशयास्पद मृत्यू

सालेभाटा प्राथमिक आरोग्य केंद्रात झाली होती शस्त्रक्रिया

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखनी : कुटूंब नियोजन शस्त्रक्रिया नंतर महिलेच्या संशयास्पद मृत्यू झाल्याने पुन्हा एकदा आरोग्य विभागावर ताशेरे ओढले जात आहे. सविस्तर असे की, लाखनी तालुक्यातील मोरगाव येथील प्रेमलता जगदीश टेंभरे (३२) हीचा एका मुलीच्या जन्मानंतर सालेभाटा प्राथमिक आरोग्य केंद्रात कुटूंब नियोजन शस्त्रक्रियाचा ९ जानेवारीला कॅम्प घेण्यात आला होता. त्यात लाखनी येथील वैद्यकीय अधिकारी यांनी कुटूंब नियोजन शस्त्रक्रिया यशस्वी करून प्रकुर्ती स्वस्थ असल्याने १२ जानेवारीला डिचार्ज देण्यात आले. परत १४ जानेवारीला अतिसाराची लागण झाल्याने प्राथमिक आरोग्य केंद्रात तशेच खासगी रुग्णालयात उपचार करण्यात घेतले असून १५ जानेवारीला शस्त्रक्रियाचे



टाके तोडण्यात आले. परंतु १७ जानेवारीला सालेभाटा प्राथमिक आरोग्य केंद्रात पुन्हा आल्याने प्रकुर्ती अस्वस्थ असल्याने भंडारा येथील ग्रामीण रुग्णालयात रेफर करण्यात आले. मात्र दोन दिवसांनी भंडार्यावरून नागपूर येथील वैद्यकीय महाविद्यालय येथे उपचार सुरू असताना २५ जानेवारी रोजी प्रेमलताचा मृत्यू झाल्याचे कुटूंबीयांनी गावात माहिती दिली.

कमी वयात लग्न कर म्हणून लहान पोरीलाही रोज होतेय मारहाण !

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : संकटात सापडलेल्या मुलांच्या मदतीसाठी १०९८ या क्रमांकावर चाइल्ड हेल्पलाइन सेवा २४ तास उपलब्ध होत आहे. यात बालविवाह, मारहाण, हरवलेली मुले आदीसंदर्भातील तक्रारी येतात. मागील वर्षभरात अशा संकटात असलेल्या अनेक बालकांना 'चाइल्ड लाइन'ने मदतीचा हात दिला आहे. माहितीनुसार १०९८ हा टोल फ्री टेलि-हेल्पलाइन नंबर चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर म्हणून चाइल्ड लाइन इंडिया फाउंडेशनतर्फे केंद्र सरकारच्या महिला व बालकल्याण मंत्रालयाच्या सहकार्याने १९९६

मध्ये तयार केला होता. संरक्षणाची गरज असलेल्या मुलांसाठी आपत्कालीन परिस्थितीत संपर्क साधण्यासाठी ही भारतातील एकमेव व सर्वात व्यापक अशी २४ तास सुरू असणारी फोन सेवा आहे. याचा लाभ घेत यामधील सुविधा त्यांना वेळेवर मिळू शकतात. याबाबत प्रभावी जनजागृतीची गरज आहे.

सखींना मानसिक आधार
महिलांसाठी असलेल्या १८१ या हेल्पलाइनच्या माध्यमातून मागील वर्षभरात काही महिला तथा बालकांना संरक्षण देण्यासाठी मदतीचे ठरले आहे. यासोबतच महिला व

बालकल्याण विभागामार्फत सखींना मानसिक आधार देण्याचे मोलाचे कार्य करण्यात आले आहे. त्यामुळे अडचणीत सापडलेली लहान मुले, मुली यांच्यासाठी १०९८ यावर तर महिलांसाठी १८१ या टोल फ्री क्रमांकावर संपर्क करण्याचे आवाहन महिला व बाल कल्याण विभागातर्फे करण्यात आले आहे.
संरक्षणाचे कार्य
जिल्हा महिला व बालविकास अधिकारी कार्यालयामार्फत बालक व महिलांच्या संरक्षणाचे कार्य केले जाते. यात पीडितांना संरक्षण न्याय, विधिसेवा आदी मदत केली जाते. कोणी पीडित

मुसूम विना रॉयल्टीचा; जेसीबी मशीनच्या सहाय्याने गौण खनिजाची विल्हेवाट

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

चुल्हाड (सिहोरा) : चुल्हाड ते पिंपरी चुन्नी गावाला जोडणाऱ्या मार्गाच्या डांबरीकरणाला कामाला मंजुरी देण्यात आली आहे. ३ किमी अंतरासाठी ३ कोटी रुपयांचा निधी आहे. आधी मार्गाचे खडीकरण करण्यात आले आहे. खडीकरणाला कामात थेट चुल्हाड गावातून मुसूम उपलब्ध करण्यात आले आहे. परंतु या मुरुमाची रॉयल्टी काढण्यात आली नाही. वाहतुकीच्या खर्चात बचत करण्यासाठी चोरीचा मुसूम उपयोगात आणले आहे. गावाच्या शेजारी होणाऱ्या शासकीय आणि निवाशासकीय कामात याच मुरुमाचा उपयोग केला जात आहे. रॉयल्टी अन्य गावातून कंत्राटदार काढत असले तरी वाहतुकीचा खर्च येत असल्याने चुल्हाड गावातून मुसूम उपलब्ध करण्यात येत आहे. चुल्हाड ते पिंपरी चुन्नी गावाला जोडणाऱ्या ३ किमी अंतराच्या मार्गाला डांबरीकरण कामाला मंजुरी देण्यात आली आहे. तुमसर तालुक्यातील अंतर्गत रस्त्यांची स्थिती योग्य नाही. रस्त्याच्या कडा धोकादायक ठरल्या आहेत. तिथेही मुरुमाचा अभाव

डांबरीकरणचे काम पण रॉयल्टी काढलीच नाही ३ कोटींचा निधी मार्ग खडीकरण, मजबुतीकरण आणि डांबरीकरणाला कामासाठी मंजूर करण्यात आले आहे. पहिल्या टप्प्यात मार्गाचे खडीकरण करण्यात आले आहे. मुसूम मात्र चुल्हाड गावातून काढण्यात आले आहे. गावातून मुसूम उत्खनन करताना रॉयल्टी काढण्यात आली नाही. मार्गाच्या खडीकरणात मुसूम गावातून उपलब्ध करण्यात आले आहे. शेतकऱ्यांचे शेतशिवार खोदले गेले आहेत. तालुक्यात ठिकठिकाणी अन्य कामे सुरू असताना तिथेही रॉयल्टी नसलेली वाळू आणि मुरुमाचा उपयोग केला जात आहे. माहिती देऊनही तालुका प्रशासन कारवाईसाठी पुढे येत नसल्याचे दिसते.

गावातील युवकांना टेंडर कोट्यवधींच्या कामात मुरुमाची गरज असल्याने कंत्राटदाराने गावातील युवकांना सोबत घेतले. रॉयल्टी वार्षिकीसाठी गावातून युवकांच्या माध्यमातून मुसूम खरेदी केले. जेसीबी मशीनच्या सहाय्याने मुरुमाची विल्हेवाट लावण्यात आली आहे. गाव आणि गावाच्या शेजारी असणारे टेंडर मुरुमाच्या वाहतुकीत उपयोगात आणले गेले आहे. यातही मोठी कंत्राटी भूमिका घेण्यात आली आहे. महसुलाला तिलांजली शासनाचा लाखो रुपयांचा महसूल बुडाला आहे. मोठे



हॉटेल अशोका समोरून जाणाऱ्या रस्त्याची चाळण झाल्यामुळे त्वरीत दुरुस्त करा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा शहरातील रस्ते व त्यावरील खड्डे हे समीकरण वर्षानुवर्षे शहरातील तसेच बाहेरून येणाऱ्या जनतेला नेहमीच अनुभवयास मिळत आहेत. त्यातच शहरातील वेनगंगा नदीवर झालेल्या नवीन पुलामुळे जुन्या पुलाकडे राष्ट्रीय महामार्गाच्या ह्या अशोका हॉटेल समोरून जाणाऱ्या जुन्या रस्त्याचा आता कुणी वालीच उरला नसल्यामुळे ह्या रस्त्यात, रस्ता कमी आणि खड्डे जास्त अशी परिस्थिती मागील काही महिन्यांपासून असले तरी उदासिन प्रशासनामुळे जनतेला, वाहन धारकांना ह्याचा प्रचंड त्रास होत असल्यामुळे हा रस्ता संबोधित विभागाने दुरुस्त करण्याची मागणी शिवसेना (उध्दव बाळासाहेब ठाकरे) पक्षातर्फे या निवेदनाद्वारे करण्यात येत आहे. अशोका हॉटेलसमोरून जाणाऱ्या ह्या जुन्या राष्ट्रीय महामार्गाच्या रस्त्यावरूनच समोर शहरातील एकमेव स्मशान घाट आहे. ह्याच मार्गावरून बहुधा शहरातील अंत्ययात्रा स्मशानाकडे जातात, परंतु ह्या जगाचा निरोप घेणाऱ्या त्या व्यक्तीला अंतिम यात्रा सुध्दा खड्ड्यातूनच करावी लागते हे निश्चितच संतापजनक आहे. चार-चार फुट लांब, दीड फुट खोल असे बरेच खड्डे ह्या रस्त्यात पडले असताना प्रशासनाचे लक्ष ह्याकडे जाऊ नये हे भंडारा शहरवासियांचे दुर्भाग्यच म्हणावे लागेल. एवढेच नाही तर ह्या रस्त्यावर



प्रचंड मोट्या प्रमाणावर धुळ असल्यामुळे एखादे जड वाहन ह्या रस्त्यावरून गेले तर त्यामागे जाणाऱ्या, येणाऱ्या हलक्या वाहनधारकांना दोन मिनिटे थांबून धुळ निघून जाण्याची वाट बघावी लागते. परंतु हा रस्ता वळण रस्ता असल्यामुळे सनफ्लॅग, अदानी सॉलर कडे जाणारी जड वाहतूक, ट्रेलर सारखी वाहनांची दिवसभर जा-ये सुरू असल्यामुळे रस्त्यावरील धुळीचा नागरिकांना प्रचंड त्रास होतो. त्यामुळे शहरातील नागरिकांना खड्ड्यांचा तसेच धुळीचा होणारा त्रास लक्षात घेवून जिल्हा प्रशासनाने ह्या रस्त्याची देखभाल ही कोणत्या विभागाची जबाबदारी आहे, हे निश्चित करून त्या विभागाला त्वरीत

रस्ता दुरुस्ती करण्याचे आदेश द्यावेत. अन्यथा नागरीकांच्या हितासाठी शिवसेना आंदोलनाच्या पवित्र्यात असेल ह्याची जिल्हा प्रशासनाने नोंद घ्यावी असा इशारा शिवसेना (उध्दव बाळासाहेब ठाकरे) चे भंडारा जिल्हा प्रमुख संजय रेहपाडे यांच्यासह तालुकाप्रमुख ललित बोर्डे, वाहतूक सेना जिल्हाध्यक्ष मनीष सोनकुसरे, शहरप्रमुख आशीक चुटे, शहर संघटक शैलेश खरोले, शहर समन्वयक सोमेश शहारे, चित्रांगध सेलोकर, प्रमोद बोरकर, विजय धकाते, तिलक सावं, टोमदेव तित्तिरमारे, गुरुदेव साकुरे, प्रकाश गभणे, गंगाधर निंबाते, निलेश चामट, पोमदेव सावं, मनीष बारापत्रे, संजय धकाते इ. पदाधिकाऱ्यांनी दिला आहे.

जात प्रमाणपत्राअभावी विद्यार्थ्यांची प्रीमेट्रिक शिष्यवृत्ती अडली

भंडारा : ओबीसी, एनटी प्रवर्गातील इयत्ता पहिली ते दहावीपर्यंत शिक्षण घेणाऱ्या ओबीसी विद्यार्थ्यांना ज्यांचे उत्पन्न २.५० लाखांच्या आत आहे, तसेच एनटी विद्यार्थी ज्यांचे उत्पन्न दीड लाख रुपयांपेक्षा बोरकर, उपाध्यक्ष अरुण जगनाडे, कोषाध्यक्ष रमेश शहारे, संघटक सेवक हजारे, जिल्हा प्रसिद्धिप्रमुख गोपाल देशमुख प्रामुख्याने उपस्थित होते.

आठवी ते दहावीकरिता) रुपये १ कोटी १६ लाख १७ हजार एवढी रक्कम वितरणासाठी उपलब्ध झाली आहे. विभागाचे योगीराज सावरबांधे व रणवीर यांचेरी चर्चा करतेवेळी ओबीसी सेवा संघाचे संजीव बोरकर, उपाध्यक्ष अरुण जगनाडे, कोषाध्यक्ष रमेश शहारे, संघटक सेवक हजारे, जिल्हा प्रसिद्धिप्रमुख गोपाल देशमुख प्रामुख्याने उपस्थित होते. **विद्यार्थी भोजन, निर्वाह भत्त्यापासून वंचित**
राज्यातील पहिले ओबीसी, एनटी विद्यार्थी वसतिगृह जिल्ह्यात सुरू झाले. परंतु, वसतिगृहातील विद्यार्थी भोजन भत्ता व निर्वाह भत्त्यापासून वंचित आहेत. स्वतःच्या खर्चातून कसेबसे दिवस काढत आहेत. याविषयी विचारणा झाली असता खर्च प्रदानाची नस्ती कोषागारात पाठविल्याची माहिती मिळाली. याबाबतपासून शिष्यवृत्ती वितरण करणार ओबीसी, एनटी समाजाच्या योजना स्वतंत्र विभागाद्वारे कार्यान्वित कराव्यात, यासाठी पर्याप्त

रॉयल्टी २ ते ३ ब्रासची, ट्रकमध्ये वाळू मात्र ५ ते १० ब्रास

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

पवनी : वाळू डेपोमधून रॉयल्टी पेक्षा कितीतरी पटीने अधिक वाळू वाहणात भरून ती नागपूर, वर्धा, अमरावती जिल्ह्यात नेऊन विकण्याचा गोरखधंदा सध्या जोरात सुरू आहे. यातून शासनाचा दररोज कोट्यावधीचा महसूल बुडत आहे, तर दुसरीकडे डेपो चालक व त्यांना मदत करणारे अधिकारी मालामाल होत आहेत. हा सर्व प्रकार थांबवून दोषींवरुद्ध कारवाई करण्याची मागणी येथील ट्रक डॅक्टर चालक मालक संघटनेने एका निवेदनाद्वारे विभागीय आयुक्त व जिल्हाधिकाऱ्यांकडे केली आहे.



वाळू तस्करीला आळा बसावा आणि नागरिकांना स्वस्त दरात वाळू उपलब्ध व्हावी या उद्देशाने शासनाने मागील वर्षी डेपो पद्धती सुरू केली. वाळू हवी असल्यास आधी ऑनलाईन बुकिंग करायची व नंतर डेपो मधून वाळूची

उचल करायची. या डेपो पद्धतीमुळे वाळू चोरी थांबेल असा शासनकर्त्यांचा समज होता. मात्र त्यांचा हा समज पूर्णतः खोटा ठरला. वाळू चोरी थांबविण्यासाठी डेपो सुरू करण्यात आले. मात्र सध्या या डेपोमधूनच मोठ्या प्रमाणात वाळूची चोरी होत आहे. ट्रक मध्ये ५ ते १५ ब्रास पर्यंत वाळू भरली जाते मात्र चालकाला रॉयल्टी केवळ २ ते ३ ब्रासचीच देण्यात येते. डेपो चालकांचे असले चोर धंदे जोरात सुरू आहेत. शासकीय दरानुसार एक ब्रास वाळूकरिता दोन हजार रुपयांपर्यंत खर्च येतो. त्यातील ६०० रुपये शासनाच्या

तिजोरीत तर उरलेले पैसे व्यवस्थापन खर्चाच्या नावावर डेपो चालकाच्या खाशात जातात. या व्यतिरिक्त डेपो चालक ट्रकमालकांकडून प्रती ब्रास २ हजार ५०० रुपये वसुलतात. एकूण पैशाचा हिशोब महसूल एका ब्रास मागे ६०० रुपये शासनाच्या तिजोरीत तर ३ हजार ९०० रुपये डेपो चालकाच्या घशात जातात. एका डेपो मधून दिवसाला ५०० ते १००० ब्रास वाळू विकली जाते. म्हणजे दिवसाला २० ते ४० लाख रुपये हाट चालकाच्या तिजोरीत जात आहेत. घाट सर्व प्रकार महसूल एका ब्रास मागिनिंग विभागातील अधिकाऱ्यांच्या देखरेखित सुरू असल्याचे बोलले

बाहेरील लोक तंबू घालून गावात डेरा लावत असतील तर सावधान

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

करडी/पालोरा : जिल्ह्यात मोट्या प्रमाणात वाघाची शिकार करण्याकरिता जंगल शेजारी गावात राहून तंबू ठोकून डेरा लावतात. दिवसा गावात कोणत्याही प्रकारचे वस्तू विकत असतात. रात्री जंगल मध्ये जाऊन शिकार करतात. असा प्रकार आढळल्याने वनविभाग कडून गावोगावी चौकशी करून तपास करीत आहे. त्यामुळे गावात कोणीही बाहेरील डेरा लावून तंबू घालत असेल त्याची तात्काळ वनविभाग कार्यालयाचे तसेच माहिती घात्री असे वनपरिक्षेत्रअधिकारी सि. जी.

रहांगडाले यांनी कळविले आहे. दि. २८ जानेवारी २०२५ रोजी सकाळी ६.३० वाजल्यापासून सहवन क्षेत्र तुमसर अंतर्गत तुमसर रेल्वे स्टेशन, तुमसर देव्हाडी स्टेशन व जांभोरा बीटा अंतर्गत येत असलेल्यामौजा खडकी, पालोरा, केसलवाडा, बोंडे गावाच्या शेजारी तंबू ठोकून वास्तव्य करणाऱ्या लोकांची तपासणी करताना माननीय सी. जी. राहंडाले साहेब वनपरिक्षेत्र अधिकारी तुमसर तसेच पी. डी. चिचमलकर, तंबू ठोकून राहणाऱ्या लोकांची आधार कार्ड इत्यादी तपासणी करण्यात आली.

भंडारा में कांग्रेस पार्टी को झटका कई पदाधिकारियों ने सांसद प्रफुल पटेल जी की उपस्थिति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में किया प्रवेश

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा में सांसद प्रफुल पटेल के नेतृत्व में भंडारा तहसील ग्रामीण और भंडारा शहर के कई गणमान्य नागरिकों ने कांग्रेस पार्टी को छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (उठड) में प्रवेश किया, जिससे कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है।

प्रवेश करने वालों में प्रमुख रूप से प्रशांत देशकर, महेंद्र गहाणे, सोहेल अहमद, प्रकाश डोनेकर, प्रकाश भुरे, महेशभुई, अशोक सांडेकर, हाजी रिजवान अली खान, असलम खान, अक्षय खान, प्यारेलाल उचिबंगले, माधवराव नारनवरे, मलिक खान, गायेश पांडे, हरिशंकर तागडे, गंगाधर सिडाम, आवेश शेख, अर्शद रजा, फरदीन खान, इमरान खान, इफान कुरेशी, साहिल शेख, मुस्ताक शेख, नितीन क्षीरसागर, परवेज मुस्ताक शेख, बाबुराव



राऊत, रुपचंद नेवारे, कृष्णा शेंडे, धनराज तुपटे, नरेश खंडारे, महेश सावें, सविता बाहे, छनु ताई नंदेश्वर, सुनीता आगलावे, वनिता रामटेके, गीतांजली घरडे, नीलकमल गोडाणे,

ईश्वरदास पांडे, वंदना तुरकर, नंदकिशोर नेवारे समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

इन सभी ने विश्वास जताया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, आम आदमी की समस्याओं की समझ और विकास एवं प्रगति की दिशा में केवल सांसद पटेल जी ही गति दे सकते हैं।

इसी विश्वास के चलते उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया। इससे पार्टी के संगठन को मजबूती मिलेगी और इसका निश्चित रूप से लाभ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को होगा। इस अवसर पर सांसद श्री प्रफुल पटेल जी के साथ राजेंद्र जैन, राजूभाऊ कारेमोरे, धनंजय दलाव, जयंत वैरागडे, देवचंद टाकरे, सरिता मदनकर, रीता हलमारे, अभिषेक कारेमोरे, नरेंद्र झंझाड, आरजू मेथ्राम, बाला गभने, राजेश देशमुख समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे।

किसानों के खातों में जमा हुए 309 करोड़ रुपए

खरीफ मौसम के धान का सरकार ने किया भुगतान

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : सरकारी समर्थन मूल्य धान खरीदी योजना के तहत खरीफ मौसम में वर्ष 2024-25 के तहत किसानों के खातों में 309 करोड़ रुपए ऑनलाइन तरीके से जमा किए गए। जिले के जिन धान केंद्र चालकों ने अपना रिकार्ड जिला पणन विभाग में जमा किया उनके केंद्रों पर धान बेचने वाले किसानों के खातों में रुपए जमा किए गए हैं।

30 जनवरी 2025 को जिले में धान खरीदी केंद्र पर कुल एक लाख 65 हजार 820 किसानों ने पंजीयन किया था। 90 हजार 421 किसानों से कुल 28 लाख 43 हजार 60 क्विंटल धान खरीदी

किया गया। शासन के नियम के अनुसार खरीफ मौसम की धान खरीदी मार्च 2024-25 तक की जाएगी। शासन के नियम के अनुसार पंजीयन करने वाले किसानों से धान की खरीदी की जाएगी।

किसानों के धान के रुपए उनके खातों में जमा करने की प्रक्रिया शुरू रहेगी। इसी के साथ-साथ धान खरीदी प्रक्रिया भी शुरू रहेगी। वर्तमान में रबी मौसम के काम किसानों द्वारा किए जा रहे हैं। वहीं ग्रीष्मकालीन धान फसल की रोपाई भी शुरू की गई है। ऐसे में किसानों के खातों में रुपए जमा होने से उनका आर्थिक संकट दूर होने वाला है।

तालाब में डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

अजुनी मोर (गोंदिया) : तहसील के अरततोंड़ी/दाभना में दो चचेरे भाइयों की गांव समीप स्थित तालाब में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना 2 फरवरी को दोपहर 3.30 से 4 बजे के बीच प्रकाश में आई। मृतकों में अरततोंड़ी निवासी रितिक रूपराम पातोड़े (13) एवं दुर्गेश धनंजय पातोड़े (13) का समावेश है।

मिली जानकारी के मुताबिक तहसील के अरततोंड़ी/दाभना निवासी रितिक पातोड़े व दुर्गेश पातोड़े दोनों चचेरे भाई थे। गांव की जिला परिषद स्कूल के कक्षा 7वीं में अध्ययनरत थे। रितिक को अवकाश का दिन होने से वे खेलने में मग्न



थे। उसके बाद दोनों ही भाई पिंपलगांव-अरततोंड़ी। मार्ग पर स्थित तालाब में सुबह लगभग 10 से 11 बजे के बीच गाय के बछड़ों को नहलाने के लिए गए थे। तालाब में पानी अधिक होने से वे डूबने लगे। जिससे दोनों की ही मृत्यु हो गई। घटना दोपहर 3 से 4 बजे के बीच प्रकाश में आई

तो गांव में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही तालाब परिसर में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों की मदद से दोनों के शव तालाब से बाहर निकाले गये। दोनों ही शव देखते ही माता-पिता, रिश्तेदार सहित ग्रामीण अपने आंसू नहीं रोक पाए। दोनों ही बच्चे अपने

माता-पिता को इकलौते होने से पातोड़े परिवार को बड़ा आघात पहुंचा है।

दोनों ही मृतक बच्चे स्कूल में काफी होनहार भी थे। 26 जनवरी को शाला में उनका सत्कार भी किया गया था। दोनों बच्चों की खबर गांव में फैलते ही शोक की लहर छा गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही अजुनी मोरगांव के पुलिस निरीक्षक कमलेश सोनटक्के अपने टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों के शवों को शव विच्छेदन के लिए अजुनी मोरगांव के ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। अजुनी मोरगांव पुलिस मामले दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है।

'आगे काम शुरू है' ऐसी सूचना लिखे फलक अब नदारद है

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : इनदिनों भंडारा शहर की एक-दो गलियां छोड़ी जाए तो ऐसी कोई गली नहीं है, जहां कोई खोदकाम न हुआ हो। ऐसे में यहां से आवागमन करने वाले नागरिकों तथा वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते की खुदाई तो प्रारंभ हुई है। किंतु 'आगे काम शुरू है' ऐसी सूचना लिखे फलक अब नदारद है।

जिससे घूमकर तो कभी निर्माण कार्य के पास पहुंचकर लौटना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार शहर में भूमिगत गटर योजना एवं जलजीवन योजना के काम शुरू है। इसके लिए अब जगह-जगह रास्तों की खुदाई शुरू हो चुकी है। शहर के खात रोड परिसर में यह काम शुरू हो चुका है। जिससे मशीन के माध्यम से रास्ते को पाइप लाइन बिछाने के लिए



खोदा जा रहा है।

कहीं पर तो नए सीमेंट रोड की खुदाई की जा रही है। लेकिन यहां कार्यस्थल पर 'आगे काम शुरू है' ऐसा फलक कई बार नजर ही नहीं आ रहा। जिससे आने जानेवाले नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना

पड़ रहा है। आगे जाने के पश्चात जब जेसीबी एवं अन्य मशीनरीज दिखाई देती है, तो चौपटिया वाहनों को कभी कभी दूसरी गलियों से निकलने के लिए संकरी गलियों में वाहन डालने पड़ते हैं, जिससे कई बार वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अवैध रेती तस्करी पर वरठी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो ट्रैक्टर जब्त

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले के वरठी पुलिस ने अवैध रूप से रेती परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टर जब्त कर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मौजा टाकळी (भोसा) से दो ट्रैक्टर अवैध रूप से रेती लेकर जा रहे हैं।

सूचना के आधार पर पुलिस ने टाकळी (भोसा) गांव के पास नाकाबंदी की, जहां बिना नंबर के दो ट्रैक्टर रेती ले जाते हुए पकड़े गए। इनमें से एक नील रंग का स्वराज 735 ऋ ट्रैक्टर था, जिसे टाकळी निवासी राजेश युवराज कुथे उम्र 25 वर्ष, चला रहा था। दूसरा शेंदरी रंग का स्वराज ट्रैक्टर था, जिसका चालक पाहुनी निवासी दिनेश रिमाचंद कानतोड़े उम्र 24 वर्ष था। पुलिस ने मौके से दो ट्रैक्टर, दो ट्रॉली और कुल 2 ब्रास रेती जब्त की, जिसकी कुल कीमत 8,12,000 रुपये आंकी गई है। इस मामले में वरठी पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 303(2), महाराष्ट्र जमीन महसूल अधिनियम की धारा 48(8), पर्यावरण संरक्षण अधिनियम



की धारा 7 और 9, तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 139/177 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक नूरुल हसन, अपर पुलिस अधीक्षक ईश्वर कातकडे और उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रशांत कुलकर्णी के मार्गदर्शन में की गई।

छापेमारी दल में सहायक पुलिस

निरीक्षक निलेश गिरी, पुलिस हवलदार साजन वाघमारे और पुलिस शिपाई रोहन काळे शामिल थे।

भंडारा जिले में अवैध रेती तस्करी के खिलाफ यह एक बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और परिवहन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

वृद्ध कलाकारों को नहीं मिल रही पेंशन

तीन-चार वर्षों से नहीं हुई जमा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : केंद्र सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय की ओर से हर महीने दी जाने वाली वृद्ध कलाकार पेंशन योजना धोखाधड़ी साबित हुई है। कोरोना काल में इस योजना का पैसा अन्यत्र मोड़ने के बाद से तीन-चार वर्षों से कई वृद्ध कलाकारों की पेंशन उनके खातों में जमा नहीं हुई है। इसके कारण वृद्ध कलाकारों का जीवन कठिन हो गया है। केंद्र सरकार का सांस्कृतिक विभाग देश के विभिन्न कला क्षेत्रों में काम करने वाले, लेकिन उम्र के कारण थक चुके अनुभवी वृद्ध कलाकारों को उनके बुढ़ापे में उनके खर्च के लिए हर महीने चार हजार रुपये उनके खातों में जमा करता



था। इसके लिए चयन समिति द्वारा निर्धारित आवेदन प्रक्रिया के तहत कला कलाकारों का चयन कर उन्हें इस योजना का लाभ मिलता था। पूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी हर साल नवंबर महीने में इन कलाकारों से डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र, आय प्रमाण पत्र, बैंक प्राधिकरण पत्र और आधार कार्ड मांगा

जाता था। 2020-21 में भारत में कोरोना महामारी का प्रभाव था।

उस समय केंद्र सरकार ने लाभार्थियों को दी जाने वाली यह योजना अस्थायी रूप से स्थगित कर दी थी। सभी लाभार्थियों को यह विश्वास था कि बाद में यह योजना फिर से शुरू होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आज कई

वृद्ध कलाकार इस पेंशन के बिना जीवन जीने के लिए मजबूर हो गए हैं। वे हर महीने बैंक के चक्कर लगा रहे हैं।

कई वृद्ध कलाकार अब इस दुनिया से जा चुके हैं। कुछ बेहद कमजोर हालत में जीवन जी रहे हैं, लेकिन शासन या संबंधित विभाग को इसकी कोई चिंता नहीं है। वृद्ध कलाकारों को मिलने वाली पेंशन उनका अधिकार है और वही उनकी असली आर्थिक सहायता है। क्योंकि इस अवस्था में वे कहीं भी आर्थिक स्थिति को सुधार नहीं कर सकते। खास बात यह है कि इस दौरान वे कई बीमारियों से भी जूझते हैं। यह पैसा उनकी आत्मनिर्भरता का आधार होता है।

पवनी पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध रेत परिवहन करने वाले 3 ट्रकों पर छापा, 1.52 करोड़ का माल जब्त

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

पवनी : पुलिस ने अवैध रेत तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन ट्रकों को जब्त किया है। इस दौरान कुल 1.52 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध रेत और ट्रक जब्त किए गए पवनी पुलिस स्टेशन के निरीक्षक निलेश ब्राह्मणे को गुप्त सूचना मिली कि गुडेगांव क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने शिवाजी चौक, गुडेगांव में घेराबंदी कर तीन सदिश ट्रकों को रोका और उनकी जांच की जिसमें ट्रक क्रमांक MH 40/CD 4172, ट्रक क्रमांक MH 32/अख 3361, ट्रक क्रमांक MH 34/डे 8114 में लगभग 12



ब्रास रेत भरी हुई थी।

जब पुलिस ने चालक और मालिकों से रेत परिवहन के परमिट की मांग की, तो वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं

कर सके इस मामले में कुल 8 लोगों को पर मामला दर्ज किया जिनमें ट्रक चालक, क्लीनर और मालिक शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ भारतीय दंड

संहिता की धारा 379, 34, तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 7 और 9 के तहत मामला दर्ज किया गया है जब्त ट्रकों की कीमत 1.50 करोड़ रुपये, जब्त रेत की अनुमानित कीमत 72,000 रुपये एसा कुल 1.52 करोड़ रुपये का माल जब्त किया है।

इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व पवनी पुलिस निरीक्षक निलेश ब्राह्मणे ने किया, जो पुलिस अधीक्षक नूरुल हसन, अपर पुलिस अधीक्षक ईश्वर कातकडे, और उपविभागीय पुलिस अधिकारी मनोज सिडाम के मार्गदर्शन में हुई। पुलिस अब मामले की गहन जांच कर रही है और अवैध रेत तस्करी में संलिप्त अन्य लोगों की तलाश जारी है।

जिला सामान्य अस्पताल, भंडारा में मनाया गया विश्व कैसर दिवस

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : आज दिनांक ०४.०२.२०२५ को, जिला सामान्य अस्पताल, भंडारा में विश्व कैसर दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का थीम था एकजुट होइए, कैसर को हराइए। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में जिला विधि सेवा प्राधिकरण सचिव मान्यवर न्यायाधीश श्री. विजु गव्हारे, कार्यक्रम के अध्यक्ष जिला शल्यचिकित्सक मान्यवर डॉ. दीपचंद सोयाम, अतिरिक्त जिला शल्यचिकित्सक मान्यवर डॉ. अतुल टेम्भूर्णे, इंडियन डेंटल एसोसिएशन के सचिव मान्यवर डॉ. अलोक मोहबंशी, राष्ट्रीय तंबाखू



नियंत्रण कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शैलेश कुकडे, राष्ट्रीय असंक्रामक रोग नियंत्रण कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुशीम गर्जभिये, और मुख कैसर के सफल उपचार के बाद स्वस्थ हो चुके मरीज उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में न्यायाधीश श्री. विजु गव्हारे ने उपस्थित जनों को कैसर के निदान और उपचार के बारे में मार्गदर्शन किया। साथ ही

जिला शल्यचिकित्सक डॉ. दीपचंद सोयाम ने ०४.०२.२५ से शुरू हो रहे कैसर अभियान की जानकारी दी और कैसर के उपचार के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, तथा कैसर के जल्दी निदान और उपचार के महत्व को बताया।

इस कार्यक्रम में, मुख कैसर के सफल उपचार के बाद स्वस्थ हुए मरीजों ने कैसर के उपचार के बारे में अपने अनुभव साझा किए और तंबाखू के दुष्परिणामों के बारे में सभी को जागरूक रहने की अपील की।